२७ : व्यर्थ की शंका

प्रश्नावली

प्रश्न. 1 निचे दिए गए कथन किसके है?

कथन

1. तू तो मेरा राजा बेटा है।
2. सुनो..., मैं पानी लेने जा रही हूँ।
3. अपनी बहन का ध्यान रखना।
4. माँ मुझ पर बहुत प्रसन्न होंगी।
5. हाय! हाय! ये मैंने क्या कर डाला।
6. कोई भी काम सोच-समझकर ही करना चाहिए।

प्रश्न. 2 प्रश्नों के उत्तर दो

1. स्त्री के मन में नेवले के बारे में क्या संदेह था?
2. पति ने पत्नी को नेवले के बारे में क्या समझाया?
3. जब साँप बच्ची के पालने की ओर आता दिखा तो नेवले ने क्या किया?
4. स्त्री फूट-फूटकर क्यों रोने लगी?
5. दंपति, नेवले को जीवन भर क्यों नहीं भूल पाए?

उत्तर

उत्तर 1:

1. तू तो मेरा राजा बेटा है। :- पुरुष
2. सुनो..., मैं पानी लेने जा रही हूँ।:- स्त्री
3. अपनी बहन का ध्यान रखना।:- स्त्री
4. माँ मुझ पर बहुत प्रसन्न होंगी।:- नेवला
5. हाय! हाय! ये मैंने क्या कर डाला।:- स्त्री
6. कोई भी काम सोच-समझकर ही करना चाहिए।:- पुरुष

उत्तर 2:

1. स्त्री के मन में यह बात की शंका थी की कही पीछे से नेवला उसकी बच्ची को मार ना डाले|
2. पति ने पत्नी से कहा, "भला नेवला हमारी बच्ची से क्यों जलेगा यह दोनों ही हमारी संताने है|
3. जब सांप बच्ची के पालने की तरफ आता देख नेवले ने जाट से साँप को मार डाला.
4. स्त्री की गलत फेहमी की वज़ह से उसे लगा की नेवले ने उसकी बच्ची को मार डाला है और यह सोचकर स्त्री ने नेवले को बर्तन फेक के मारा और नेवला मर गया इसी वज़ह से स्त्री फुट फुट कर रो रही थी |
5. दंपति, नेवले की निष्ठा और कर्तव्य की वज़ह से जीवन भर उसे नहीं भूल पाए |